भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-198

उत्तर देने की तारीख-22/07/2024

पुस्तकालय की पुस्तकों तक ऑनलाइन पहुंच

†198 **श्री योगेन्द्र चांदोलिया:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या संघ लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग और राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों के लिए देश के प्रत्येक जिले में पुस्तकालयों के निर्माण हेतु कोई उपाय किए जा रहे हैं;

(ख) क्या पुस्तकालय पुस्तकों तक ऑनलाइन पहुंच और डिजिटल पुस्तकालयों को और व्यापक बनाने के लिए कोई उपाय किए जा रहे हैं;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) इन पुस्तकालयों में कितनी भाषाओं को शामिल किया गया है तथा और अधिक भाषाओं की पुस्तकों को शामिल करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं; और

(ङ) विगत पांच वर्षों के दौरान कितने पुस्तकालय खोले गए और कितने पुस्तकालय निकट भविष्य में खोले जाएंगे?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (ङ): भारतीय संविधान के अनुच्छेद 246 के अंतर्गत सातवीं अनुसूची के अनुसार पुस्तकालय राज्य का विषय है तथा सार्वजनिक पुस्तकालय संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र प्राधिकरणों के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य करते हैं।

बच्चों और किशोरों की नवीनतम पुस्तकों तक पहुंच में सुधार लाने, देश भर के बच्चों और किशोरों को राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी संसाधनों से जोड़ने तथा बच्चों एवं किशोरों में पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने राज्य सरकारों के लिए वर्ष 2023-2024 हेतु विशेष सहायता योजना के अंतर्गत 5,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। यह धनराशि राज्यों को भवन के निर्माण/नवीनीकरण, कम्प्यूटर, यूपीएस, प्रिंटर, नेटवर्किंग हार्डवेयर की खरीद तथा पुस्तकें क्रय करने के लिए उपलब्ध कराई गई थी।

इसके अतिरिक्त, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने प्रत्येक छात्र/शिक्षार्थी तक पुस्तकों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय की शुरुआत की है। यह बच्चों और किशोरों के लिए एक डिजिटल लाइब्रेरी है, जिसमें 23 भारतीय भाषाओं में डिजिटल प्रारूप में 1000 पुस्तकें हैं। डिजिटल लाइब्रेरी का उपयोग देश भर में कोई भी व्यक्ति कर सकता है।

संस्कृति मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, संस्कृति मंत्रालय ने भारत की राष्ट्रीय वर्चुअल लाइब्रेरी भी बनाई है जो भारतीय संस्कृति पोर्टल के नाम से सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है जिसमें संस्कृति मंत्रालय के संगठन का डिजिटल डेटा होस्ट किया जाता है।

****